अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान वर्ष : 2018 **दिनांक : 21-12-2018**

समय : 3 घंटा **चतुर्थ वर्ष-द्वितीय- प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

नव पदार्थ आस्रव संवर-50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें। 16

आश्रवकिन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर लिखें

(क) आश्रव प्रतिक्रमण का क्या तात्पर्य है?

(ख) द्रव्य संयोग से आप क्या समझते हैं?

(ग) सम्यक्त्व क्रिया आश्रव से आप क्या समझते हैं?

(घ) संशय मिथ्यादर्शन किसे कहते हैं?

(ङ) अपहृत्य असंयम का क्या तात्पर्य है?

(च) भंडोपकरण आश्रव को आगम में क्या कहा गया है?

(छ) भिक्षु किसे कहते हैं?

(ज) कायिकी क्रिया आश्रव से आप क्या समझते हैं?

संवरकिन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें

(झ) दस धर्मों के नाम लिखें।

(ञ) शुचि कुशाग्र संवर किसे कहते हैं?

(ट) संवर से सर्व आश्रवों का निरोध होता है या केवल पापाश्रवों का?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें। 10

(क) (आश्रव) आश्रवों में स्वाभाविक रूप कितने और क्रिया के रूप कितने व क्यों?

अथवा

जीव सकंप है या निष्कंप?

(ख) (संवर) सिद्ध करें कि मोक्ष-मार्ग की आराधना में संवर उत्तम गुण रत्न है?

अथवा

क्षयोपशमिक, औपशमिक और क्षायिक चारित्र की तुलना करें।

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें। 24

(क) (आश्रव)मिथ्यात्व आश्रव तथा भोग आश्रव मोहनीय कर्म के उदय से निष्पन्न जीव परिणाम किस प्रकार है?

अथवा

योग आश्रव में केवल मन, वचन और काय के सावद्य योगों का ही समावेश होता है या निरवद्य योगों का भी होता है? आचार्य भिक्षु के मत को स्पष्ट करें।

(ख) (संवर) सिद्ध करें कि संवर आश्रव द्वार का अवरोधक पदार्थ है?

अथवा

अनुप्रेक्षा किसे कहते हैं? उनके भेदों का वर्णन करें।

अवबोध (मनुष्य गति से शील धर्म)30

प्र. 4 किन्हीं छह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें। 6

(क) सातों नरक की लम्बाई व चौड़ाई कितनी है?

(ख) जाति स्मृति कितने भवों की हो सकती है?

(ग) क्षायोपशमिक सम्यक्त्व की स्थिति कितनी है?

(घ) अस्थित कल्प व कल्पातीत में कितने चारित्र हैं?

(ङ) 'धर्म के फल में संशय न करना' सम्यक्त्व का कौन सा आधार है? नाम लिखें।

(च) विसर्जन किसे कहते हैं?

(छ) पांच ज्ञान में भाषक व अभाषक कितने-कितने हैं?

(ज) धूमप्रभा पृथ्वी की मोटाई कितनी है?

प्र. 5 किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर एक-दो लाईन में लिखें। 12

(क) जाति स्मरण ज्ञान क्या स्वतंत्र ज्ञान नहीं है?

(ख) तिर्यंच श्रावक क्या बारहव्रती होते हैं?

(ग) क्या नरकों में देवों का आवागमन होता है?

(घ) ब्रह्मचारी मर कर कहां जाते हैं?

(ङ) क्या सम्यक्त्व चारों गतियों में प्राप्त हो सकती है?

(च) अकर्म भूमि और अन्तर्द्वीप के मनुष्यों में क्या सम्यक्त्व होती है?

(छ) अनेक भवों की दृष्टि से जीव कितनी बार चारित्र को प्राप्त कर सकता है?

(ज) तिर्यंच का आयुष्य पुण्य प्रकृति है या पाप प्रकृति?

प्र. 6 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें। 12

(क) अवधिज्ञान का क्षेत्र कितना है?

(ख) छप्पन अन्तर्द्वीप कहां है?

(ग) चारित्र का उत्थान व पतन कहां होता है? तथा चारित्र की अल्पबहुत्व का क्या क्रम है?

श्रावक-संबोध20

प्र. 7 कोई चार पद्य लिखें। 12

(क) खाद्य पदार्थ व वस्त्र की सीमा करने वाला पद्य लिखें।

(ख) छह द्रव्य हमारे किस प्रकार सहयोगी हैं, वह पद्य लिखें।

(ग) इच्छाओं को सीमित करना पांचवां अपरिग्रह अणुव्रत है, उस पद्य को लिखें।

(घ) श्रमणोपासक तीर्थंकर की कृति है, वह पद्य लिखें।

(ङ) मोह को परमात्म पद बताया गया है, वह पद्य लिखें।

(च) भारवाही.....हो साधना।।

प्र. 8 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक दो लाईन में लिखें। 8

(क) मृषा संभाषण के कितने कारण हैं? नाम लिखें।

(ख) सम्यक् आजीविका का सिद्धान्त स्वस्थ समाज का दर्शन है। इसके अनुसार मुख्य रूप से तीन प्रकार के व्यवसाय त्याज्य हैं? उनके नाम लिखें।

(ग) अतिथिसंविभाग के पांच अतिचार जो श्रमणोपासक के लिए ज्ञातव्य हैं उसमें 'पख्यपदेश' का तात्पर्य लिखें।

(घ) भगवान महावीर द्वारा देखे गए स्वप्नों में से 'सफेद पंखों वाला नर कोकिल' तथा 'मेरू पर्वत के सर्वोच्च शिखर पर आरोहण' का क्या फलादेश है?

(ङ) चौदह नियमों में संकलित चौदह बिंदुओं के नाम लिखें।

(च) 'अण्णहा णं पासए परिहरेज्जा' का भावार्थ लिखें।